**TITLE: Re: Revival of ancient Saraswati River and demand for allocation of Rs. 100 crore pakage for the same.**

**श्री रतन लाल कटारिया (अम्बाला): सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान मेरे लोक सभा क्षेत्र में सरस्वती नदी के उद्गम स्थल आदि बद्री की ओर दिलाना चाहता हूं, जो भारत की 10 हजार वर्ष पुरानी सभ्यता से संबंधित है ।**

वर्षों पूर्व सरस्वती नदी की धार पृथ्वी से विलुप्त हो गई थी, जिसे पूर्ण स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी और माननीय अध्यक्ष, लोक सभा श्री ओम बिरला जी ने भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर कुरुक्षेत्र प्रवास के दौरान सरस्वती नदी के महत्व पर प्रकाश डाला है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी कुरुक्षेत्र प्रवास के समय सरस्वती नदी की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त कर चुके हैं।

महोदय, सरस्वती नदी का उद्गम स्थल यमुना नगर जिले के आदि बद्री नामक स्थान पर है, जहां इसकी एक धारा प्रवाहित हो रही है। हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में सरस्वती हेरिटेज बोर्ड सरस्वती नदी के प्रवाह को दोबारा से स्थापित करने के लिए काम कर रहा है। हरियाणा सरकार ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय से भी एक डैम बनाने का प्रस्ताव भेजा है। मेरा सदन से निवेदन है कि केन्द्रीय सरकार भारतीय संस्कृति की इस विरासत को पुन: स्थापित करने के लिए कदम उठाए और इसके लिए ?प्रसाद? योजना के अंतर्गत मैं 100 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा किए जाने की मांग करता हूं, ताकि सरस्वती नदी की अविरल धारा को दोबारा से प्रवाहित किया जा सके। धन्यवाद।